भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर ने किया ओरमांझी में समावेशन शिविर का दौरा

रांची। वित्तीय सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, भारतीय रिजर्व बैंक के उप–गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने भारतीय रिजर्व बैंक राँची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, आरबीआई ओम्बड्समैन मनोज रंजन और भारतीय रिजर्व बैंक, राँची क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य अधिकारियों के साथ 8 अगस्त को राँची के ओरमांझी ग्राम पंचायत में आयोजित वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण शिविर का दौरा किया। इस दौरान बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक गुरुप्रसाद गोंड और एसएलबीसी झारखंड के अधिकारी भी उपस्थित रहे। उप गवर्नर महोदय का दौरा भारतीय रिजर्व बैंक की व्यापक पहुँच कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन अभियान को प्रोत्साहित करना और ग्राहकों को जोड़ने व सेवा प्रदान करने में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देना है। उल्लेखनीय है कि इस अभियान को सफल बनाने एवं आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक, राँची के क्षेत्रीय निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी राज्य भर में ऐसे दौरे किये जा रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से ग्राहकों तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं एवं विभिन्न वित्तीय सेवाओं की अनवरत पहुँच सुनिश्चित करने के साथ–साथ बैंक के अभिलेखों में ग्राहक संबंधी जानकारी को अद्यतित किया जा रहा है। शिविर में अपने संबोधन के दौरान, श्री राव ने बताया कि ये शिविर लोगों से जुड़ने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि सभी लोग वित्तीय प्रणाली और उसकी सुविधाओं से जुड़े और उसका लाभ उठाएँ। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक, राँची के क्षेत्रीय निदेशक ने आह्वान किया कि विषय की महत्ता को देखते हुए विभिन्न बैंकों के उच्चाधिकारियों से अपेक्षित है कि वे भी इन शिविरों से जुड़ें। ताकि सभी बैंककर्मी व बीसी इस पुनीत कार्य हेतु और प्रवृत्त, प्रेरित और प्रोत्साहित हों। उप–गवर्नर ने बैंक के अधिकारियों और शिविर में आये ग्राहकों से बातचीत की और बैंकों को ग्राहक–हितैषी दृष्टिकोण अपनाने और अपने ग्राहकों को खाता विवरण अद्यतन रखने के महत्व पर जोर दिया। राँची कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है और वित्तीय समावेशन संतृप्ति का यह सघन अभियान, विशेषकर ग्रामीण भारतवासियों के वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय महाअनुष्ठान की तरह है।